वशि्व हदिी दवािस

प्रतविर्ष 10 जनवरी को दुनयिा भर में हदिी भाषा को बढ़ावा देने हेतु ‘वशि्व हदिी दवािस’ (WHD) मनाया जाता है।

- इस वर्ष (2022) वशि्व हदिी दवािस के अवसर पर यूनेस्को के ‘वशि्व धरोहर केंद्र’ (WHC) ने अपनी वेबसाइट पर भारत के वशि्व धरोहर स्थलों के हदिी ववािरण प्रकाशति करने पर सहमत वि्यक्त की है।
- ‘वशि्व धरोहर केंद्र’ की स्थापना वर्ष 1992 में वशि्व वरािसत से संबंधति सभी मामलों के समन्वय हेतु की गई थी। यह केंद्र वशि्व वरािसत समतिि और उसके ब्यूरो के वार्षकि सत्र का आयोजन करता है तथा साइट के नामांकन में राज्यों के दलों को सलाह प्रदान करता है।

प्रमुख बदिु

- **वशि्व हदिी दवािस**
  - इस दवािस को पहली बार वर्ष 2006 में 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में आयोजति पहले ‘वशि्व हदिी सम्मेलन’ की वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में मनाया गया था। यह ‘राष्ट्रीय हदिी दवािस’ से अलग है।
  - यह दवािस दुनयिा के वभिनि्न हस्सिों में स्थति भारतीय दूतावासों द्वारा भी मनाया जाता है।
  - वशि्व हदिी सचवािलय भवन का उद्घाटन वर्ष 2018 में मॉरीशस में कयिा गया था।
- **राष्ट्रीय हदिी दवािस:**
  - देवनागरी लपिमिें हदिी को 14 सतिंबर, 1949 को भारत गणराज्य की आधकिारकि भाषा के रूप में अपनाया गया था। इसलयि हर वर्ष 14 सतिंबर को हदिी दवािस के रूप में मनाया जाता है।
    - काका कालेलकर, मैथलिी शरण गुप्त, हजारी प्रसाद द्ववििदी, सेठ गोवदिदास ने हदिी को राजभाषा बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दयिा।
  - हदिी आठवीं अनुसूची में शामलि भाषा भी है।
  - अनुच्छेद 351 'हदिी भाषा के वकिास के नरि्देश' से संबंधति है।
- **हदिी को बढ़ावा देने हेतु सरकार की पहल:**
  - वर्ष 1960 में केंद्रीय हदिी नदिशालय की स्थापना भारत सरकार के शक्षिा मंत्रालय के तहत की गई थी।
  - भारतीय सांस्कृतकि संबंध परषिद (Indian Council for Cultural Relations- ICCR) ने वदिशों में वभिनि्न वदिशी वशि्ववदि्यालयों/संस्थानों में 'हदिी पीठ' की स्थापना की है।
  - लीला (LILA)-राजभाषा (लर्नगि इंडयिन लैंग्वेजे थ्रू आर्टफिशियिल इंटेलजिेंस) हदिी सीखने के लयि एक मल्टीमीडयिा आधारति स्व-शक्षिण अनुप्रयोग है।
  - ई-सरल हदिी वाक्य कोष (E-Saral Hindi Vakya Kosh) और ई-महाशब्दकोश मोबाइल ऐप (E-Mahashabdkosh Mobile App), राजभाषा वभिाग की दो पहलें है जनिका उद्देश्य हदिी के वकिास के लयि सूचना प्रौद्योगकिी का उपयोग करना है।
  - राजभाषा गौरव पुरस्कार और राजभाषा कीर्त पिुरस्कार हदिी में योगदान हेतु प्रदान कयि जाते हैं।

हदिी भाषा:

- हदिी भाषा को अपना नाम **फारसी शब्द ‘हदि’ से प्राप्त हुआ है, जसिका अर्थ है 'सधिु नदी** की भूमि'। 11वीं शताब्दी की शुरुआत में तुर्की के आक्रमणकारयिों ने सधिु नदी के आसपास के क्षेत्र की भाषा को हदिी यानी 'सधिु नदी की भूमि की भाषा' नाम दयिा।
- यह भारत की राजभाषा है, अंग्रेजी दूसरी अन्य राजभाषा है।
- भारत के बाहर कुछ देशों में भी हदिी बोली जाती है, जैसे मॉरीशस, फजिी, सूरीनाम, गुयाना, त्रनिदिाद और टोबैगो तथा नेपाल में।
- हन्दिी अपने वर्तमान स्वरूप में वभिनि्न अवस्थाओं के माध्यम से उभरी है जसिके दौरान इसे अन्य नामों से जाना जाता था। पुरानी हदिी का सबसे प्रारंभकि रूप **अपभ्रंश (Apabhramsa)** था। **400 ईस्वी में कालदिास ने अपभ्रंश में वक्रिमोर्वशयिम** नामक एक रोमांटकि नाटक लखिा।
- आधुनकि देवनागरी लपि 11वीं शताब्दी में अस्तत्वि में आई।

स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-hindi-day